भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 324

जिसका उत्तर 08 दिसंबर, 2022 को दिया जाना है।

***

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन

324. श्री मोहनभाई कुंडारिया:

श्री अनिल फिरोजिया:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के अंतर्गत साफ किए जाने के लिए चिह्नित नदियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) एनएमसीजी के अंतर्गत गुजरात की कौन-कौन सी नदियां साफ की जानी हैं;

(ग) क्या एनएमसीजी के अंतर्गत मध्य प्रदेश की क्षिप्रा नदी की सफाई हेतु कोई प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टूडू)

(क): भारत सरकार ने राष्ट्रीय नदी गंगा और सकी सहायक नदियों के प्रदूषण की प्रभावी रोकथाम, संरक्षण और बचाव के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए वर्ष 2014-15 में नमामि गंगे कार्यक्रम शुरू किया है। भारत सरकार नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने में राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता कर रही है।

गंगा बेसिन (गंगा मुख्य नदी और इसकी सहायक नदियाँ) की सभी नदियाँ नमामि गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) के अंतर्गत आती हैं। प्रदूषण की रोकथाम के संदर्भ में नदी संरक्षण के लिए परियोजनाओं को प्राथमिकता के अनुसार किया जाता है। अब तक, एनजीपी के अंतर्गत निम्नलिखित 30 नदियों अर्थात गंगा, यमुना, धमोला, भेला, रिस्पना, सरयू, मंदाकिनी, अलकनंदा, किच्छा, नंधौर, भागीरथी, ढेला, गोमती, काली पूर्व, काली पश्चिम, हिंडन, रामगंगा, रामरेखा, पिलाखर, सोन, मोरार, शिवना, चंबल, हरौड़ा, कोसी, गंडक, पोंडाई, दामोदर, बराकर, हुगली पर प्रदूषण की रोकथाम और नदी संरक्षण के कार्य कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

(ख): चूंकि गुजरात की नदियां गंगा बेसिन का हिस्सा नहीं हैं, गुजरात की कोई नदी नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत नहीं आती है।

(ग) और (घ): मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए चम्बल नदी की सहायक नदी शिप्रा, जो कि यमुना नदी की एक सहायक नदी है, में प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रस्ताव राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) में प्राप्त हुआ है।

*****